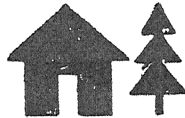
रीतिकालीन रामकाव्य

कानपुर विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच० डी० उपाधि के लिए
स्वीकृत एवं प्रशंसित शोधप्रबन्ध

स्वर्गीय आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी तथा उनके दुःखद निधनोपरान्त
डा० रमाशंकर मिश्र 'मधुर' के निर्देशन में सम्पन्न

डॉ० (श्रीमती) कान्ति द्विवेदी
एम. ए., पी-एच. डी.



कान्तिकुटीर प्रकाशन
कान्तिकुटीर, पुखरायाँ (कानपुर जनपद) उत्तर प्रदेश - २०९ १११